



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 28 अप्रैल, 2025

जारी करने का समय: 1545 घंटे

विषय: i) 29 अप्रैल, 2025 से पूर्वोत्तर भारत में वर्षा की तीव्रता में कमी आने की संभावना है।

ii) पूर्व और मध्य भारत में गरज, बिजली, ओलावृष्टि, तेज/तेज हवाओं के साथ वर्षा 02 मई, 2025 तक जारी रहेगी।

iii) 01 मई, 2025 से उत्तर-पश्चिम भारत में गरज/धूल भरी आंधी और तेज हवाओं के साथ वर्षा का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है।

आज 28 अप्रैल, 2025 को भारतीय मानक समयानुसार 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, तमिलनाडु पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और रायलसीमा में एक या दो स्थानों पर 50-70 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान आया।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और सिक्किम में एक या दो स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक या दो स्थानों पर धूल भरी आंधी चली।

मौसम के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया [अनुलग्नक I](#) देखें।

तापमान:

- ❖ आज के भारतीय मानक समयानुसार 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान अवलोकन [अनुलग्नक II](#) में प्रदान किया गया है।

मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (अनुलग्नक III और IV):

- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर असम और दूसरा निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी बांग्लादेश पर बना हुआ है।
- ❖ एक चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम राजस्थान पर बना हुआ है और इस चक्रवाती परिसंचरण से निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी मध्य तक एक द्रोणिका बनी हुई है। निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर पश्चिमी विदर्भ से उत्तरी केरल तक एक उत्तर-दक्षिणी द्रोणिका बनी हुई है।

❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर कोमोरिन क्षेत्र और पड़ोस पर बना हुआ है।

❖ इन प्रणालियों के प्रभाव में:

पूर्वोत्तर भारत:

- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ व्यापक रूप से व्यापक रूप से हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जिसकी गति 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे हो सकती है और 28 और 29 अप्रैल को असम और मेघालय में गरज के साथ बौछारें (हवा की गति 50-70 किमी प्रति घंटे तक) पड़ने की संभावना है।
- ✓ 28 और 29 अप्रैल को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय, त्रिपुरा और 28 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना है। आज असम और मेघालय में भी कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ✓ 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान पूर्वी भारत, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने वाली तेज हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 28 अप्रैल को पूर्वी मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में और 29 अप्रैल को ओडिशा में कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना है।
- ✓ 28 अप्रैल को बिहार और 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, केरल और माहे, तमिलनाडु पुडुचेरी और कराईकल में गरज के साथ छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा, बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से 50 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है। 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में गरज के साथ छोटे (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटे तक) पड़ने की संभावना है।
- ✓ 28 अप्रैल को केरल और माहे में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- ✓ 30 अप्रैल और 1 मई को उत्तर आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 02 मई, 2025 से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नया और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ प्रभाव डाल सकता है। इसके प्रभाव में:
- ✓ 30 अप्रैल से 04 मई के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाओं के साथ छिटपुट हल्की वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 28-30 अप्रैल के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है; 01 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और 01 और 02 मई को राजस्थान में।

तापमान पूर्वानुमान:

- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी।
- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद के 4 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 2 दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी।
- ❖ अगले 4 दिनों के दौरान गुजरात में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद के 3 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

उष्ण लहर, गर्म रात और गर्म एवं आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ 28-30 मई के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में; 29 और 30 मई को हरियाणा, पंजाब और 28 और 29 मई को सौराष्ट्र और कच्छ में लू चलने की संभावना है।
- ❖ 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है; 28 अप्रैल से 1 मई के दौरान गुजरात क्षेत्र; 28-30 अप्रैल के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा; 28 और 29 को केरल और माहे; 30 अप्रैल और 1 मई को सौराष्ट्र और कच्छ; 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान मराठवाड़ा।

iii. 28 अप्रैल से 01 मई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

अनुलग्नक I

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे तक मौसम की महत्वपूर्ण स्थिति:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अधिकांश स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की/मध्यम वर्षा देखी गई; असम और मेघालय में कई स्थानों पर; पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, केरल और माहे, रायलसीमा, कर्नाटक में कुछ स्थानों पर; उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तमिलनाडु पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर।

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ❖ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम:** चेपन (जिला अलीपुरद्वार) 7, माथाभांगा (जिला कूच बिहार) 6, बरोभिषा (जिला अलीपुरद्वार) 5,
- ❖ **रायलसीमा:** उरावकोंडा (जिला अनंतपुरम्) 5; रायदुर्ग (जिला अनंतपुरम्), मदकासिरा (जिला श्री सत्यसाई जिला) 4 प्रत्येक;
- ❖ **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल:** कोल्लिडम (जिला मयिलादुथुराई) 6; मनामेलकुडी (जिला पुदुक्कोट्टई), निवासल थेनपथी (जिला तंजावुर) 5 प्रत्येक; पेचिपराई (जिला कन्याकुमारी), आदिरामपट्टनम (जिला तंजावुर), उत्तमपालयम (जिला थेनी), कलुगुमलाई (जिला तूथुकुडी), मंजालार (जिला थेनी) 4 प्रत्येक;
- ❖ **तटीय कर्नाटक:** सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड) 7; मुंडगोड (जिला उत्तर कन्नड) 5; करकला (जिला उडुपी) 4;
- ❖ **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक:** गुरुमित्कल (जिला यादगीर) 9; शिरहट्टी (जिला गडग), लोकापुर (जिला बागलकोट) 8 प्रत्येक; चितागुप्पा (जिला बीदर) 4.
- ❖ **असम और मेघालय:** बारपेटा (जिला बारपेटा) 4, बहालपुर (जिला धुबरी) 4, कोकराझार (जिला कोकराझार) 4, टिकरीकिल्ला (जिला वेस्ट गारो हिल्स) 4, धुबरी_सीडब्ल्यूसी (जिला धुबरी) 4।

आज 28.04.2025 को 0300 UTC पर समाप्त होने वाले पिछले 24 घंटों के दौरान तेज़ हवाओं का अनुमान (आरएमसी/एमसी से प्राप्त):

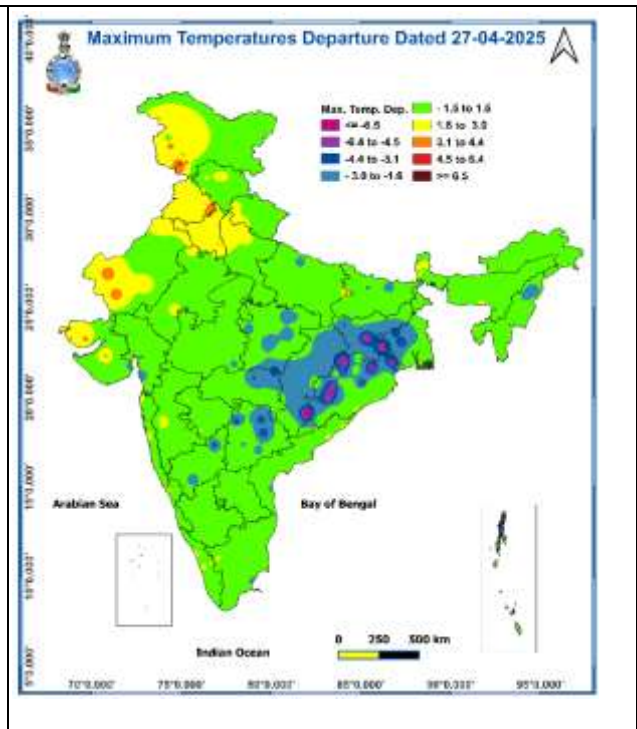
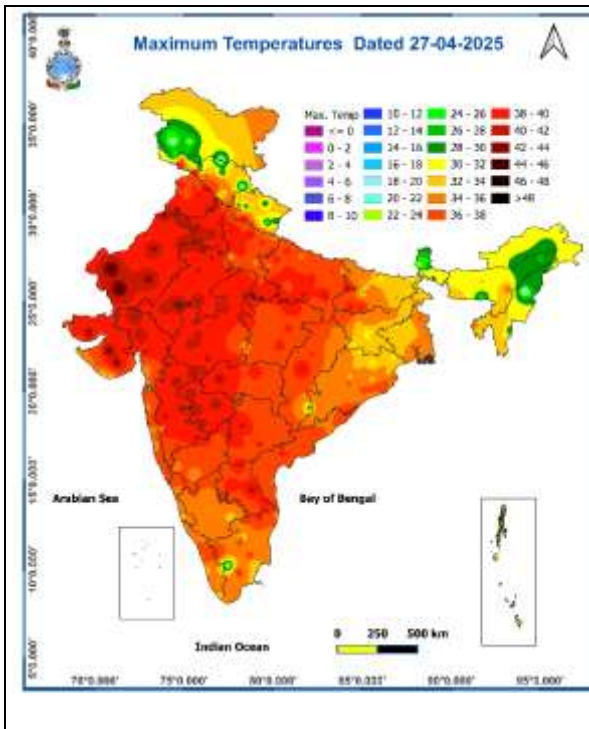
- ❖ **असम और मेघालय:** गोसाईगांव_अम्फू 40 दुधनोई_केवीके 33 चंदुबी 32 गुवाहाटी 31 गोलपारा 31 गौहाटी_विश्वविद्यालय 31 मारीगांव 28 अमीनगांव 27 गौरीपुर_एजीसीएल 27 करीमगंज_अम्फू 26 कोकराघर 24 डाउन_टाउन_विश्वविद्यालय 24 कुकुरमारा_मिर्जा_एजीसीएल 24 अगोमानी 23 बोको_एजीसीएल 22 बारपेटा_केवीके 21 गुवाहाटी_सिटी 21 बारपेटा 20 बोंगाईगांव 20 सिलचर_जेएनएस_कॉलेज 20 डिफू_अम्फु 19 चिरांग 19 नलबाड़ी_केवीके 19 सलाकाती_एजीसीएल 19 काजलगांव 18 सोनितपुर_अम्फु 18 अगिया_एजीसीएल 18 बीएन_कॉलेज 18 मंगलदोई_केवीके 18 पंचग्राम_ईजीसीएल 17
- ❖ **अरुणाचल प्रदेश:** लोअरटाटो=22 KT
- ❖ **त्रिपुरा:** वोखा=22 KT
- ❖ **गांगेय पश्चिम बंगाल:** दीघा, रैदिघी (18 KT); गंगासागर, बालुरघाट (17 KT); बेरहामपुर (16 KT)
- ❖ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम:** रामशाई (31); दिनहाटा (29); कलिम्पोंग (22 KT); जलपाईगुड़ी (21); धूपगुड़ी (18 KT); बालुरघाट (17 KT) गंगटोक (21 KT)
- ❖ **ओडिशा:** पुरी (17 KT)
- ❖ **झारखंड:** गढ़वा (32 KT)
- ❖ **बिहार:** गोपालगंज (37 KT)
- ❖ **जम्मू-कश्मीर:** रामबन (गोविंदपुरा) = 19KT, पुंछ = 15KT
- ❖ **हिमाचल प्रदेश:** तबो=22KT, कोटखाई=21KT, रिकांग पियो=21KT, कुफरी=20KT
- ❖ **पूर्वी उत्तर प्रदेश:** गोरखपुर (IAF)-24G36KT, गोरखपुर-20 KT।

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे IST तक तापमान अवलोकन:

- ❖ कल राजस्थान, गुजरात, दक्षिण हरियाणा, दक्षिण पंजाब, पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तर मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, पश्चिम विदर्भ में कई/कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 42-46 डिग्री सेल्सियस के बीच था। यह पश्चिमी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, हरियाणा, पंजाब और जम्मू और कश्मीर में सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस अधिक, उत्तरी तेलंगाना, पूर्वी विदर्भ, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंतरिक ओडिशा, झारखंड, पश्चिमी गंगीय पश्चिम बंगाल में सामान्य से 3-6 डिग्री सेल्सियस कम और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब था। कल बाड़मेर (पश्चिम राजस्थान) में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) है; पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, दिल्ली में कई स्थानों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C); हिमाचल प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर। (चित्र 2)

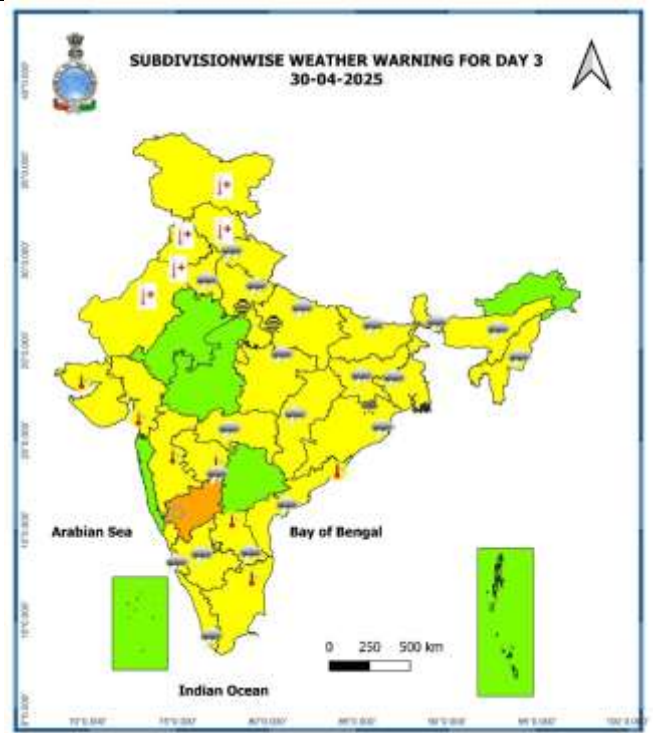
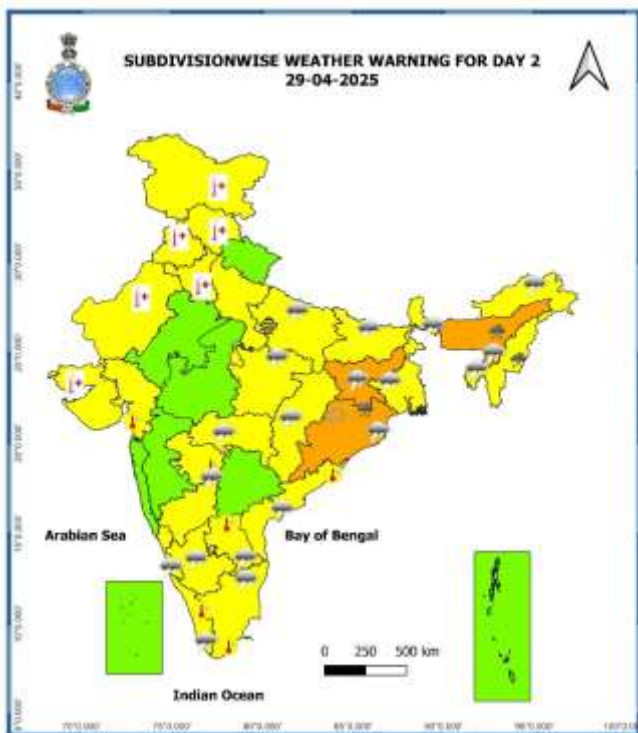
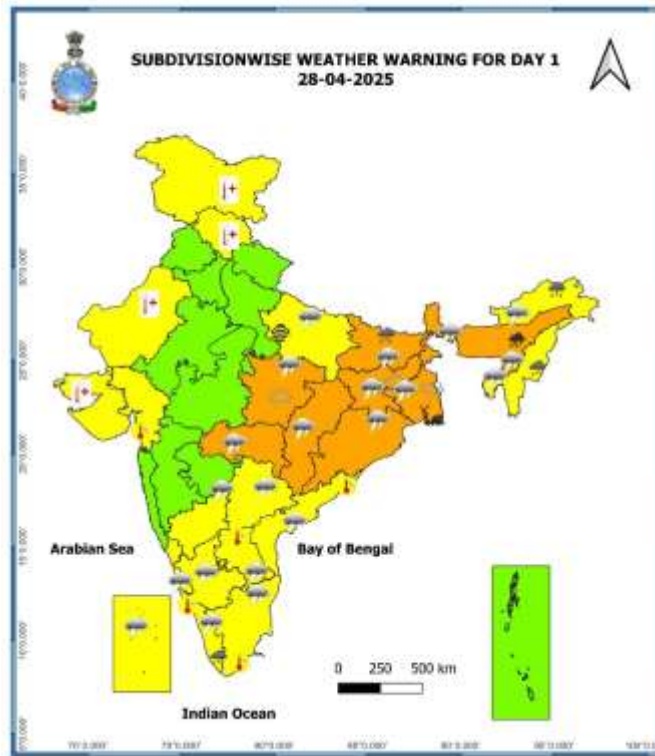
Fig.1: अधिकतम तापमान

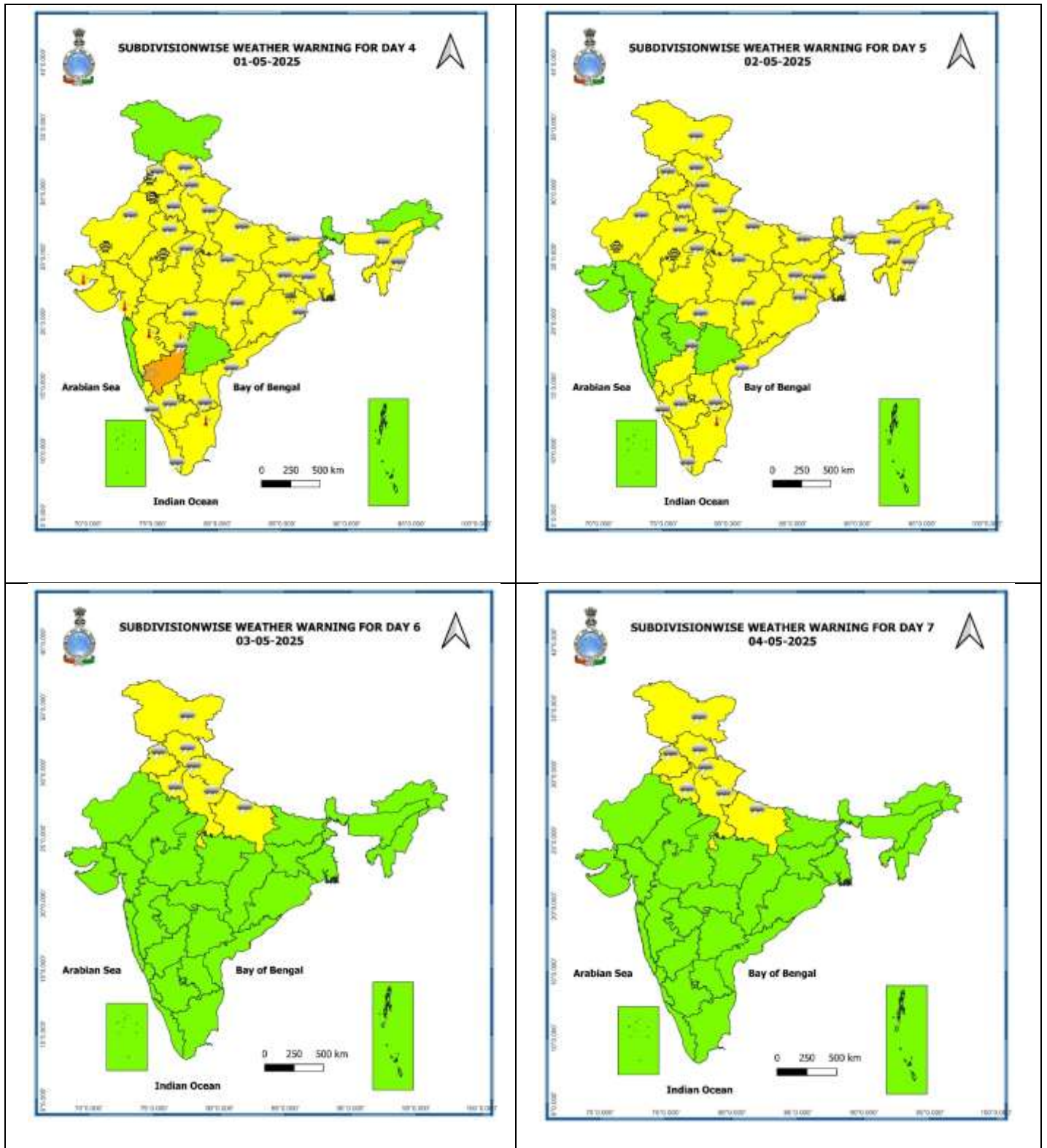
Fig.2: अधिकतम तापमान का विचलन



7 Days Rainfall Forecast								
S. No.	Subdivision	28-Apr	29-Apr	30-Apr	01-May	02-May	03-May	04-May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEGHALAYA	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM & TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB-HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	SCT	ISOL	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU & KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJARAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
25	MARATHAWADA	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH & YANAM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU PUDUCHERRY & KARAIKAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
32	COASTAL KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA & MAHE	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

दिल्ली/एनसीआर में 28 अप्रैल से 01 मई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान**पिछला मौसम:**

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 03 - 05°C की गिरावट और अधिकतम तापमान में 01°C की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 से 42°C और न्यूनतम तापमान 22 से 26°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास था और अधिकतम तापमान सामान्य से 01 - 03°C अधिक था। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पश्चिम/दक्षिण-पूर्व दिशा से 14 किमी/घंटा से कम गति के साथ बह रही थी। आज सुबह में क्षेत्र में मुख्य रूप से स्पष्ट आकाश की स्थिति रही, और हवा की गति 14 किमी/घंटा से कम थी, जो पूर्व दिशा से बह रही थी।

मौसम पूर्वानुमान:

28.04.2025: मुख्य रूप से स्पष्ट आकाश, दोपहर/शाम के दौरान आंशिक रूप से बादल। कभी-कभी सतही हवाएं (गति 10-20 किमी/घंटा)। दिल्ली में अधिकतम तापमान 39 से 41°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 01 - 03°C अधिक रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा से कम गति से शाम तक बहने की संभावना है। रात में यह दक्षिण-पूर्व दिशा से 14 किमी/घंटा से कम गति तक बढ़ेगी।

29.04.2025: आंशिक रूप से बादल आकाश। बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी। गरज, बिजली/धूल भरी आंधी, जिसमें सतही हवाओं की गति 30-40 किमी/घंटा तक होगी, जो 50 किमी/घंटा तक भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 38 से 40°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-14 किमी/घंटा तक सुबह के समय बहने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति घटकर 06-10 किमी/घंटा हो जाएगी, जो दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से बहेगी। शाम और रात में यह गति बढ़कर 16 किमी/घंटा तक हो सकती है।

30.04.2025: आंशिक रूप से बादल आकाश। तेज सतही हवाएं (गति 20-30 किमी/घंटा)। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 38 से 40°C और 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 14-18 किमी/घंटा की गति से सुबह के समय बहने की संभावना है। इसके बाद यह हवा की गति घटकर 08-10 किमी/घंटा हो जाएगी, जो दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से बहेगी। शाम और रात में यह गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो सकती है।

01.05.2025: आंशिक रूप से बादल आकाश। तेज सतही हवाएं (गति 20-30 किमी/घंटा), जो 40 किमी/घंटा तक भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 36 से 38°C और 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 01 - 03°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 01 - 03°C कम रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 22 किमी/घंटा से कम गति से सुबह के समय बहने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति घटकर 14-16 किमी/घंटा हो जाएगी, जो दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से बहेगी। शाम और रात में यह गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो सकती है।

प्रभाव और सुझाए गए कार्य:

- सावधान रहें और आवश्यक एहतियाती उपाय करें, हालांकि हीट वेव की स्थिति की संभावना नहीं है। तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना के कारण कमजोर वर्ग (जैसे नवजात शिशु, वृद्ध लोग, पुराने रोगों से पीड़ित लोग) पर गर्मी से संबंधित प्रभाव हो सकते हैं।
- कमजोर वर्ग के लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी मध्यम चिंता का कारण हो सकता है।
- गर्मी से बचने के लिए धूप में बाहर जाने से बचें, हल्के रंग के, ढीले और सूती कपड़े पहनें, सिर को ढकें, कपड़ा, टोपी या छाता का उपयोग करें।

बिजली/तेज और तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग गरज के कारण प्रभाव की उम्मीद और कार्रवाई का सुझाव दिया गया

- ✓ 28 अप्रैल को पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, झारखंड, 29 अप्रैल को ओडिशा और 30 अप्रैल और 01 मई को उत्तर आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना है।
- ✓ 28 अप्रैल से 02 मई के दौरान भारत के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में गरज के साथ छोटे (50-60 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने) की संभावना है; 28 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, बिहार, 28 और 29 अप्रैल को झारखंड, ओडिशा, 28 अप्रैल, 01 और 02 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़।

अपेक्षित प्रभाव:

- ❖ पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- ❖ शाखाओं के टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ❖ ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे खराब होती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- ❖ तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

28-30 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान; 29 और 30 अप्रैल को हरियाणा, पंजाब तथा 28 और 29 अप्रैल को सौराष्ट्र और कच्छ उष्ण लहर की स्थिति के कारण अपेक्षित प्रभाव तथा सुझाई गई कार्रवाई

पीला अलर्ट वाले क्षेत्र

- सामान्य लोगों के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन कमजोर लोगों जैसे कि शिशु, बुजुर्ग, पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य चिंता की संभावना है।
- गर्मी के संपर्क में आने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- अपने सिर को ढँके, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

28 अप्रैल को असम और मेघालय में भारी वर्षा के कारण प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया।

प्रभाव अपेक्षित

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले क्षेत्रों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
 - ❖ भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
 - ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
 - ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
 - ❖ कमजोर संरचना को नुकसान की संभावना।
 - ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
 - ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
 - ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएं)।
- सुझाई गई कार्रवाई**

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

ओलावृष्टि / भारी वर्षा / तेज़ हवाओं / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पूर्वोत्तर राज्यों, ओडिशा, बिहार और केरल में, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और पूर्वी मध्य प्रदेश में, सब्जियों और बागवानी फसलों को संभावित ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हेल-नेट एवं हेल-कैप का उपयोग करें।
- खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों को ऊष्ण लहर और उच्च तापमान के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित सिंचाई प्रदान करें।

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या उपज को खेतों में तिरपाल की चादर से ढक दें। कटी हुई फसलों को उचित ढंग से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।
- बागवानी फसलों और सब्जियों को गिरने से बचाव हेतु उन्हें सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ऊष्ण लहर / उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने हेतु, पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें। साथ ही, पशुओं को साफ, स्वच्छ और भरपूर मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएँ।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकालने से रोका जा सके।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

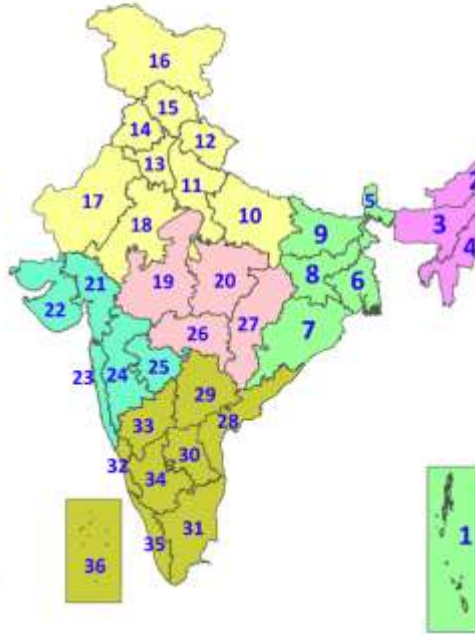
- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)